an>

Title: Issue regarding privatisation of IDBI Bank.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) : सभापति महोदय, अखबारों और कई सूचनाओं से मिली सूचना की तरफ मैं माननीय वित्त मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। हमें पता चला है कि आईडीबीआई बैंक का निजीकरण किया जा रहा है। आईडीबीआई बैंक काफी पुराना है और इसकी अच्छी साख है, इसमें लगभग 17,000 कर्मचारी हैं। अगर आईडीबीआई बैंक को निजीकरण करने या निजी हाथों में देने का प्रस्ताव है तो माननीय मंत्री जी बताने का काम करें। मैं आग्रह करता हूं कि आईडीबीआई बैंक के कई कर्मचारी हमारे पास आकर मिले थे। उन लोगों ने जब इस बारे में बताया कि तो हमें दुख हुआ, सरकार कहती है और देश के प्रधानमंत्री कहते हैं कि सबके साथ सबका विकास होगा। मैं विनती करता हूं कि आईडीबीआई बैंक के साथ ऐसा कोई काम न किया जाए जिससे आईडीबीआई बैंक के कर्मचारी हैं और उनके जो बाल-बच्चे हैं उनकी क्या हालत होगी। माननीय मंत्री जी बैठे हुए हैं, मैं निवेदन करता हूं कि कोई ऐसा काम न किया जाए जिससे आईडीबीआई बैंक के कर्मचारियों का अहित हो जाए।

माननीय सभापति :

श्री धर्मेन्द्र यादव,

डॉ. ए.सम्पत,

श्री जितेन्द्र चौधरी,

श्री मोहम्मद बदरुद्दोज़ा खान और

श्री जय प्रकाश नारायण यादव को श्री कौशलेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

Now, I want to tell this to the hon. Members. I can only give one minute each or else I have to adjourn the House if you do not understand the problem. There are 45 Members who wish to speak. Please understand the issue.

SEVERAL HON. MEMBERS : Yes, please allow for one minute only.